

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम झमट रुजाला

दिनांक २६.७.२०१९, पृष्ठ सं. ६ कॉलम ३-७.....

प्रशिक्षण शिविर

मराठम उत्पादन व मधुमक्खी पालन विषय पर प्रशिक्षण शिविर संपन्न, विभिन्न जिलों के ५३ युवक-युवतियों ने लिया भाग

ज्ञान को स्वयं तक सीमित न रखकर दूसरों में भी बांटें : डॉ. कंबोज

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साइना नेहवाल कृषि प्रैद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा मशरूम उत्पादन व मधुमक्खी पालन विषय पर आयोजित तीन-तीन दिन के दो प्रशिक्षण शिविर वीरवार को संपन्न हो गए। रिकोग्नीशन प्रायर लॉर्निंग (आरपीएल) भारतीय कृषि अनुसंधान कौशल परिषद द्वारा प्रायोजित प्रशिक्षण शिविर में हरियाणा के विभिन्न जिलों से ५३ बेरोज़गार युवकों, युवतियों एवं किसानों ने भाग लिया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज ने शिविर के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।



प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र प्रदान करते मुख्य अतिथि डॉ. बीआर कंबोज।

डॉ. कंबोज ने प्रतिभागियों को संबोधित किया कि वे प्रशिक्षण में प्राप्त ज्ञान को स्वयं प्रशिक्षण में शामिल हुए प्रशिक्षणार्थियों से तक सीमित न रखकर दूसरों में भी बांटें तथा

रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने इस कहा कि वह प्रशिक्षण के बाद भी हकूमि के

अधिक से अधिक बेरोज़गार युवक इससे लाभान्वित हो सकें।

प्रशिक्षणों से प्राप्त ज्ञान से वह विशेषकर वह युवा जो अपनी पढ़ाई पूरी नहीं कर पाए, अपना लघु व्यवसाय

विशेषज्ञों के साथ जुड़े रहें और उनसे मार्गदर्शन लेते रहें। उन्होंने प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए। डॉ. कंबोज ने बताया कि किसानों व युवाओं को चाहिए कि वो परंपरागत खेती के साथ वैकल्पिक व्यवसाय के रूप में मशरूम की खेती व मधुमक्खी पालन करके अधिक लाभ कमाएं। संस्थान की सह निवेशका डॉ. मंजू दहिया ने भारतीय कृषि अनुसंधान कौशल परिषद की पद्धति पर होने वाले प्रशिक्षणों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर वरिष्ठ खुंब वैज्ञानिक डॉ. सुरजीत सिंह, प्रशिक्षणों के संयोजक डॉ. राकेश कुमार व डॉ. हरीश कुमार भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुरेंद्र सिंह ने किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दैनिक भास्कर
दिनांक 26.7.2019 पृष्ठ सं. 2 कॉलम 8

युवा वैकल्पिक व्यवसाय के रूप में करें मशरूम की खेती: डॉ कांबोज



हिसार | चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा मशरूम उत्पादन व मधुमक्खी पालन विषय पर आयोजित तीन-तीन दिवसीय दो प्रशिक्षण सम्पन्न हुए। रिक्गिनशन प्रायर लर्निंग (आरपीएल) भारतीय कृषि अनुसंधान कौशल परिषद द्वारा प्रायोजित इस प्रशिक्षण में हरियाणा के विभिन्न जिलों से 53 बेरोजगार युवकों, युवतियों एवं किसानों ने भाग लिया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज इस अवसर पर मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने कहा कि वे प्रशिक्षण में प्राप्त ज्ञान को स्वयं तक सीमित न रखकर दूसरों में भी बांटे तथा अधिक से अधिक बेरोजगार युवक इससे लाभान्वित हो सकें। किसानों व युवाओं को चाहिए कि वो परंपरागत खेती के साथ-साथ वैकल्पिक व्यवसाय के रूप में मशरूम की खेती व मधुमक्खी पालन करके अधिक लाभ कमाएं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम नमूद्दौर
दिनांक 25.7.2017 पृष्ठ सं. 2 कॉलम 25

किसान व युवा परंपरागत खेती के साथ वैकल्पिक व्यवसाय को अपनाएँ : कंबोज

हिसार/25 जुलाई/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साधना नेहवाल कृषि प्रैद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा मशरूम उत्पादन व मधुमक्खी पालन विषय पर आयोजित तीन-तीन दिन के दो प्रशिक्षण सम्पन्न हुए। रेकोगनीशन प्रायर लर्निंग (आरपीएल) भारतीय कृषि अनुसंधान कौशल परिषद द्वारा प्रायोजित इस प्रशिक्षण में हरियाणा के विभिन्न जिलों से 53 बेरोजगार युवकों, युवतियों एवं किसानों ने भाग लिया। समारोह के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज ने उपर्युक्त दोनों प्रशिक्षण रोजगार प्राप्त करने के लिए अति उपयुक्त हैं। उन्होंने कहा प्रशिक्षणों से प्राप्त ज्ञान से विशेषकर वह युवा जो अपनी पढ़ाई पूरी नहीं कर पाए, अपना लघु व्यवसाय शुरू करके रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने इस प्रशिक्षण में शामिल हुए प्रशिक्षणार्थियों से कहा कि वह प्रशिक्षण के उपरांत भी हकूमि के विशेषज्ञों के साथ जुड़े रहें और उनसे मार्गदर्शन लेते रहें। उन्होंने प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए। डॉ. कंबोज ने बताया कि किसानों व युवाओं को चाहिए कि वो परंपरागत खेती के साथ-साथ वैकल्पिक व्यवसाय के रूप में मशरूम की खेती व मधुमक्खी पालन करके अधिक लाभ कमाएं। उन्होंने कहा देश में बढ़ती हुई जनसंख्या को देखते हुए युवाओं का कौशल विकास जरूरी है। बढ़ती हुई प्रतिस्पर्धा में सभी को सरकारी नौकरी मिलना संभव नहीं है। नवयुवकों को चाहिए कि विश्वविद्यालय से प्रशिक्षण लेकर अपना कौशल विकास करें। उन्होंने



प्रशिक्षणार्थियों से कहा कि जब तक कोई भी शिष्य शिक्षक को गुरु नहीं मानेगा वह पूर्ण रूप से ज्ञान प्राप्त नहीं कर सकता। संस्थान की सहनिदेशिका डॉ. मंजु दहिया ने संस्थान द्वारा भारतीय कृषि अनुसंधान कौशल परिषद की पद्धति पर होने वाले प्रशिक्षणों पर प्रकृश डाला। उन्होंने कहा हकूमि एंग्रीकल्चर स्किल कार्डिंसिल ऑफ इंडिया के सहयोग से बेरोजगार युवाओं, किसानों और महिलाओं को प्रशिक्षणों के माध्यम से उन्हें कुशल और आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाने की दिशा में कार्य कर रहा है। इसके अंतर्गत उन्हें मधुमक्खी पालन, माली, सहायक माली, नर्सरी प्रबंधक, फूलों की संरक्षित खेती, बल्ब क्रॉफ

क्लटीवेटर, गेहूं क्लटीवेटर, मशरूम उत्पादक, कीटनाशी एवं उर्वरक प्रयोगकर्ता, उत्तम बीज उत्पादक, बीज प्रैद्योगिकी कार्यकर्ता, ट्रैक्टर संचालक, ट्रैक्टर मेकेनिक, जैविक खेती, उत्पादक, सोलानीशियस क्रॉप, क्लटीवेटर, कृषि विस्तार संचार कार्यकर्ता, मृदा नमूने एकत्रित करना तथा मृदा एवं जल परीक्षण प्रयोगशाला विश्लेषण जैसे 19 विभिन्न कृषि विषयों में प्रशिक्षण व सर्टिफिकेट कोर्स प्रदान किए जा रहे हैं। इस अवसर पर वरिष्ठ खुम्ब वैज्ञानिक डॉ. सुरजीत सिंह, प्रशिक्षणों के संयोजक डॉ. राकेश कुमार व डॉ. हरीश कुमार भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुरेन्द्र सिंह ने किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम सिथी पत्स
दिनांक २५.७.२०१९ पृष्ठ सं.२..... कॉलम३-६.....

हक्कवि में आयोजित मशरूम उत्पादन व मधुमक्खी पालन विषय पर आयोजित प्रशिक्षण का समापन

विभिन्न जिलों से 53 बेरोज़गार युवकों, युवतियों एवं किसानों ने लिया भाग

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साथना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा मशरूम उत्पादन व मधुमक्खी पालन विषय पर आयोजित तीन-तीन दिन के प्रशिक्षण सम्पन्न हुए। रेकान्सीशन प्रायर लैनिंग (अरपीएल) भारतीय कृषि अनुसंधान कौशल परिषद द्वारा प्रयोजित इस प्रशिक्षण में हरियाणा के विभिन्न जिलों से 53 बेरोज़गार युवकों, युवतियों एवं किसानों ने भाग लिया।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे। उन्होंने प्रतिभागियों के सम्बोधित करते हुए कहा कि वे प्रशिक्षण में प्राप्त ज्ञान को स्वयं तक सीमित न रखकर दूसरों में भी बटें तथा अधिक से अधिक बेरोज़गार युवक इससे लाभान्वित हो सकें। उन्होंने कहा कि उपर्युक्त दोनों प्रशिक्षण रोज़गार प्राप्त करने के लिए अति उपयुक्त हैं। उन्होंने कहा प्रशिक्षणों से प्राप्त ज्ञान से वह विशेषकर वह युवा जो अपनी पढ़ाई पूरी नहीं कर पाए, अपना लघु व्यवसाय सुरक्षा के रोज़गार प्राप्त कर सकते हैं।

डॉ. बीआर कंबोज तथा उन्होंने वार्ता कि किसानों व युवाओं को चाहिए कि वो परेपराणात खेती के साथ साथ वैकल्पिक व्यवसाय के रूप में मशरूम की खेती व मधुमक्खी पालन कक्षे अधिक लाभ कमाएं। उन्होंने कहा देश में



हिसार। मुख्य अतिथि डॉ. बीआर कंबोज प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र प्रदान करते हुए।

बढ़ती हुई जनसंख्या को देखते हुए युवाओं का कौशल विकास जरूरी है।

संस्थान की सहनिदेशिका डॉ. मंजु दहिया ने भारतीय कृषि अनुसंधान कौशल परिषद की पद्धति पर होने वाले प्रशिक्षणों पर प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा हक्कवि ने एपीकल्चर रिकल काउंसिल ऑफ इंडिया के सहयोग से बेरोज़गार युवाओं, किसानों और महिलाओं को प्रशिक्षणों के माध्यम से उन्हें कौशल और आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाने की दिशा में

कार्य कर रहा है। इस अवसर पर वरिष्ठ खुम्ब वेळानिक डॉ. सुरजीत सिंह, प्रशिक्षणों के संयोजक डॉ. राकेश कुमार व डॉ. हरीश कुमार भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुन्दर सिंह ने किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम नित्य २१५२२७४
दिनांक २५.७.२०१९ पृष्ठ सं. ८ कॉलम १५

प्रशिक्षण में प्राप्त ज्ञान को खयं तक सीमित न रखें : कंबोज

हिसार, 25 जुलाई (नित्य)। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सम्बन्ध नेतृत्वालय कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं विज्ञान संस्थान द्वारा यशस्वी उत्पादन व मधुमक्खी पालन विषय पर आयोजित हीन-हीन दिन के दो प्रशिक्षण सम्पन्न हुए। रेकोगनीशन प्रायर लर्निंग (आरपीएल) भारतीय कृषि अनुसंधान विभाग परिवर्द्ध द्वारा प्रायोजित इस प्रशिक्षण में हरियाणा के विभिन्न जिलों से 53 वैदेशिकार युवकों, पुरुषियों एवं किसानों ने

मुख्य इससे साधारित हो सके। उन्होंने कहा कि उत्पादक दोनों प्रशिक्षण रोजगार प्राप्त करने के लिए अति उपयुक्त है। उन्होंने कहा प्रशिक्षणों से प्राप्त ज्ञान से वह विशेषकर वह युवा जो अपनी पढ़ाई पूरी नहीं कर पाए, अपना सभु व्यवसाय तुर करके रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने इस प्रशिक्षण में गतिमिल द्वारा प्रशिक्षणार्थीों से कहा कि वह प्रशिक्षण के उपर्याप्त भी हार्डवर्क के विशेषज्ञों के साथ जुड़े रहे और उनसे मार्गदर्शन लेते रहें। उन्होंने प्रतिभावितों को प्राप्त-पत्र वितरित किए। डॉ. कंबोज ने भवाना कि किसानों व युवकों को जाहिर कि वो परेप्रायर खेती के साथ-साथ ऐकाइव्ह क्यवसाय के रूप में मरालम की खेती व मधुमक्खी पालन करके अधिक साध कराएं। उन्होंने कहा देश में वडी हुई जनसंख्या को देखते हुए युवकों का बोरिट विकास जरूरी है। वडी हुई प्रतिसंरप्ति में वडी को सारकारी नौकरी गिलना संभव नहीं है। यद्युवकों को जाहिर कि विश्वविद्यालय करते हुए कहा कि वे प्रशिक्षण में प्राप्त ज्ञान को सर्व तक सीमित न रखकर दूसरों में भी करें। उन्होंने प्रशिक्षणार्थीों से कहा कि वह यह तथा अधिक से अधिक वैदेशिक रूप कोई भी सिप्प विषय को तुर कर



मशरूम उत्पादन व मधुमक्खी पालन विषय पर आयोजित प्रशिक्षण सम्पन्न

भाग लिया। विश्वविद्यालय के कुलसंचित डॉ. वी.आर. कंबोज इस अवसर पर मुख्य असिंधि से। उन्होंने प्रतिभावितों को संक्षेपित करते हुए कहा कि वे प्रशिक्षण में प्राप्त ज्ञान को सर्व तक सीमित न रखकर दूसरों में भी करें। उन्होंने प्रशिक्षणार्थीों से कहा कि वह यह तथा अधिक से अधिक वैदेशिक रूप कोई भी सिप्प विषय को तुर कर

मानेंग वह पूर्ण रूप से ज्ञान प्राप्त नहीं कर आधिक रूप से स्वावलंबी बनाने की दिशा विराटर संचार कार्यकर्ता, मृदा नगरे एवं किंवदं सकाळ। उपरोक्त संस्थान की सहनिवेशिका में कार्य वर रहा है। इसके अंतर्गत उन्हे करना वाधा एवं जल परीक्षण डॉ. मंतु दीर्घा ने मुख्य असिंधि का रखात मधुमक्खी पालन, याती, सहायक याती, प्रयोगशाला विशेषज्ञ वैषे 19 विभिन्न कृषि क्रिया। उन्होंने संस्थान द्वारा भारतीय कृषि नवीरी प्रबंधक, युवाओं को संरक्षित रखें, विषयों में प्रशिक्षण व सीटीफेट कोर्स अनुसंधान कौशल परिवर्द्ध की पर्याप्त वर देने वह कॉफ कलटिवेट, गैर्ह कलटिवेट, प्रदान किए जा रहे हैं। यादे प्रशिक्षणों पर प्रकाश दाता। उन्होंने मरालम उत्पादक, कौटनारी एवं उत्पादक कहा हार्डवर्क ने एपीकल्प स्लिक्ट कार्डिसिल प्रोवेंगकर्ता, उचम बीब उत्पादक, जीव डॉ. सुरजीत सिंह, प्रशिक्षणों के संयोजक डॉ. इंदिया के साथयोग से वैदेशिक योग्यकारी कार्यकर्ता, ट्रैक्टर संचालक, डॉ. एकेश कुमार व डॉ. इरेश कुमार भी युवाओं, किसानों और महिलाओं को ट्रैक्टर भेजेंगे, जैविक खेती उत्पादक, उत्पादक रहे। कार्यक्रम का संचालक डॉ. प्रशिक्षणों के माध्यम से उन्हें कुशल और सोलानीशियस कॉफ कलटिवेट, कृषि सूट्रद सिंह ने किया।